इकाई 1

सामाजिक विसंगतियों की ओर...

आज का समाज कुछ भीषण विभीषिकाओं से गुज़र रहा है। ये सब वैश्वीकरण के नकारात्मक परिणाम भी हैं। पारिवारिक संबंधों की परिभाषा बदल रही है। हमारी संस्कृति के मौलिक गुण नष्ट होते जा रहे हैं। विकास के फ़ायदे से समाज के कुछ तबके वंचित होते जा रहे हैं। इस इकाई की सामग्री इन्हीं विभीषिकाओं के अलग-अलग मायनों पर चर्चा करने को हमें विवश करेंगे। इसमें हिंदी के जाने माने कवि श्री.नरेंद्र पुंडरीक की कविता 'पुल बनी थी माँ', श्री.वरुण ग्रोवर से रचित पटकथा 'टीवी' और हिंदी के महान साहित्यकार मुक्तिबोध की कहानी 'पक्षी और दीमक' संकलित हैं।

आशा है, लक्षित अधिगम उपलब्धियों तक छात्रों को हम ले जा सकेंगे।

इकाई रूपरेखा

आशय/धारणा/प्रोक्ति/भाषा तत्व	शिक्षण अधिगम गतिविधि	अधिगम उपलब्धि
वर्गपहेली ▪ स्वस्थ समाज की कुछ विशेषताएँ होती हैं।	▪ वर्गपहेली की पूर्ति। ▪ टिप्पणी लेखन।	▪ संकेतों के आधार पर वर्गपहेली की पूर्ति करता है। ▪ लघु-लेख तैयार करता है।
कविता ▪ माँ परिवार के सदस्यों को जोड़नेवाली कड़ी है। ▪ सफल पारिवारिक संबंध स्वस्थ समाज का आधार है।	▪ कविता का वाचन। ▪ टिप्पणी लेखन।	▪ कविता का परिचय देते हुए टिप्पणी लिखता है।
पटकथा ▪ पटकथा दृश्यांकन की विस्तृत रूपरेखा है। ▪ बच्चे स्वभाव से जिज्ञासु होते हैं। ▪ भौगोलिक विशेषताएँ कभी विकास में बाधा बन सकती है।	▪ पटकथा का वाचन। ▪ डायरी लेखन।	▪ पटकथा के मार्मिक प्रसंग के आधार पर डायरी लिखता है।
कहानी ▪ विज्ञापन के ज़रिए हमारी संस्कृति के गुणों का ह्रास हो रहा है। ▪ पटकथा तैयार करने के लिए कहानी के पात्रों की विशेषताएँ समझना है।	▪ कहानी का वाचन। ▪ चरित्र-चित्रण की तैयारी। ▪ पटकथा तैयार करना। ▪ तालिका की पूर्ति।	▪ कहानी पढ़कर चरित्र-चित्रण लिखता है। ▪ कहानी को फ़िल्माने के लिए पटकथा तैयार करता है। ▪ सर्वनाम और परसर्ग के योग से होनेवाले रूपांतर समझकर प्रयोग करता है।
कहानी ▪ पटकथा तैयार करने के लिए कहानी की घटनाओं तथा पात्रों को समझना है।	▪ कहानी का वाचन।	▪ मूल-कथा से पटकथा का अंतर समझकर प्रयोग करता है।

वर्गपहेली

अधिगम-गतिविधियाँ : 1

अधिगम उपलब्धियाँ :

- संकेतों के आधार पर वर्गपहेली की पूर्ति करता है।
- टिप्पणी तैयार करता है।

आशय / धारणाएँ :

- स्वस्थ समाज की कुछ विशेषताएँ रहती हैं।

मूल्य और मनोभाव :

- स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए कार्य करता है।

सामग्री : चार्ट

समय : 1 कालांश

आप चार्ट या श्यामपट पर यह 'हाइकू' प्रस्तुत करें।

मैया की आई
वृद्धाश्रम से चिट्ठी
कैसे हो बेटा

पढ़ने का अवसर दें।

इन प्रश्नों के ज़रिए चर्चा चलाएँ :

- वृद्धाश्रम से किसकी चिट्ठी आई?
- माँ को वृद्धाश्रम में क्यों रहना पड़ता है?
- यहाँ समाज की किस हालत की ओर संकेत है?

आपके लिए...

'हाईकू' मूल रूप से जापानी कविता है। हाईकू का जन्म जापानी संस्कृति की परंपरा, जापानी जनमानस और सौंदर्यचेतना में हुआ और वहीं पला है।

हाईकू कविता तीन पंक्तियों में लिखी जाती है। हिंदी हाईकू के लिए पहली पंक्ति में पाँच अक्षर दूसरी में सात अक्षर और तीसरी पंक्ति में पाँच अक्षर, इस प्रकार कुल सत्रह अक्षर की कविता है। हाईकू अनेक भाषाओं में लिखे जाते हैं। लेकिन वर्णों या पदों की गिनती का क्रम अलग-अलग होता है। तीन पंक्तियों का नियम सभी में अपनाया जाता है।

छात्र प्रतिक्रिया करें।

पूछें–

- ऐसे में स्वस्थ समाज की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?

चर्चा के ज़रिए समाज की विशेषताओं को निकालते हुए एक 'पदसूर्य' श्यामपट पर बनाएँ।

जैसे :

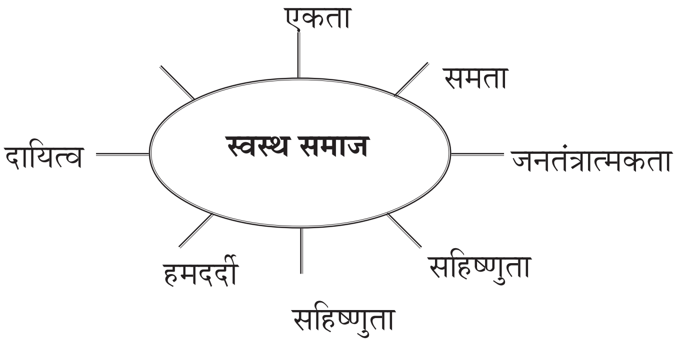

अब पन्ना 8 की वर्गपहेली की पूर्ति करने का निर्देश दें। (वैयक्तिक कार्य)

दाईं ओर...

1. समाज के हर सदस्य को इसका बोध होना चाहिए। (तीन अक्षर)
2. यह विशेषता मनुष्य को मिल-जुलकर रहने की प्रेरणा देती है।
3. यह भारतीय शासन-व्यवस्था की विशेषता है।
4. यह एक विकसित समाज का निशान है।
5. समाज की प्रगति जानने के लिए इसकी जरूरत है। (चार अक्षर)
6. यह सामाजिक जीवन का आधार है।

नीचे की ओर...

4. यह व्यक्तियों का समूह है।
7. इसका फायदा हर क्षेत्र के लोगों को मिलना चाहिए। (तीन अक्षर)
8. समाज के सदस्यों के बीच यह भाव रहना चाहिए।
9. यह दूसरों के विचारों और भावनाओं को मानना है।
10. यह मानव-समाज की विरासत है।

आवश्यक मदद दें।

			1 दा	यि	त्व	9 स
2 भा	ई	चा	रा			हि
	3 ज	न	तं	त्र	8 ह	ष्णु
			7 वि	4 स	म	ता
			का	मा	द	10 सं
5 इ	ति	हा	स	ज	र्दी	स्कृ
	6 ए	क	ता			ति

संक्षिप्तीकरण :

एकता, समता, दायित्व बोध, हमदर्दी, जनतंत्रात्मकता, सहिष्णुता आदि एक स्वस्थ समाज के निशान हैं। सामाजिक प्रगति जानने के लिए इतिहास-बोध की ज़रूरत है। विकास का फायदा समाज के हर तबकों को मिलना चाहिए।

अनुबद्धकार्य

अब 'स्वस्थ समाज' विषय पर एक लघु लिखें। (वैयक्तिक कार्य)

छात्रों की रचनाओं का आकलन करें टीचिंग मानुअल में छात्रों के नाम ग्रेड़ करके लिखें।

स्पष्टता के साथ आशय व्यक्त करते हुए एक अनुच्छेद लिखा है	ए
स्पष्टता के साथ आशय व्यक्त करते हुए एक-दो वाक्य लिखे हैं	बी
हिंदी में आशय व्यक्त करने की कोशिश की है	सी
आशय व्यक्त करने में असफल हुआ है	डी

छात्रों के चार-पाँच सदस्योंवाले दल बनाएँ। ध्यान रखें, प्रत्येक दल में सभी ग्रेड़वाले छात्र हों।

अधिगम-गतिविधियाँ : 2

पुल बनी थी माँ

कविता

अधिगम उपलब्धियाँ :

- कविता का आशय समझकर तालिका की पूर्ति करता है।
- कविता का परिचय देते हुए टिप्पणी लिखता है।

आशय / धारणाएँ :

- माँ परिवार के सदस्यों को जोड़नेवाली कड़ी है।
- सफल पारिवारिक संबंध स्वस्थ समाज का आधार है।

मूल्य और मनोभाव :

- बूढ़े-बुजुर्गों के प्रति अपना दायित्व और जिम्मेदारी निभाता है।

सामग्री : कविता पाठ की ऑडियो।

समय : 5 कालांश

गतिविधि-1

आप कवितापाठ की ऑडियो सुनाएँ (मुरझाया फूल और झांसीरानी की कुछ पंक्तियाँ) कवितापाठ की विशेषताओं पर चर्चा :

- दोनों कविताओं के पाठ में क्या कोई फर्क महसूस हुआ?
- है तो क्या?
- ताल में भिन्नता क्यों?
- अगर अंतर का कारण भाव है तो, भाव हम कैसे समझेंगे?
- आशय समझने के लिए हमें क्या करना चाहिए?
- क्या कवितापाठ में उच्चारण का कोई स्थान है?

संक्षिप्तीकरण करें :

कवितापाठ को सफल बनाने के लिए उसका भाव समझकर आलाप करना ज़रूरी है। भाव उसके आशय पर आधारित होता है। उच्चारण पर भी ध्यान देने की ज़रूरत है क्योंकि उच्चारण की गलती से शब्द का अर्थ ही बदल जाता है।

कहें,

- अब हम एक कवितापाठ की तैयारी करेंगे। लें 'पुल बनी थी माँ' कविता। पुल बनी थी माँ - कविता पढ़ने का अवसर दें।

पूछें,

- क्या आप कविता का पूरा आशय समझ सके?

अब हम अपने मित्रों से इस कविता पर चर्चा करेंगे।

आप प्रश्न करें,

- 'पुल बनी थी माँ' से क्या तात्पर्य है?
  - पुल किसके लिए है?
  - माँ को यहाँ पुल क्यों कहा होगा?
- 'बिना किसी हरी लाल बत्ती के' –यहाँ 'हरी लाल बत्ती' का मतलब क्या है?
  - हरी लाल बत्ती अकसर कहाँ होती हैं?
  - हरी लाल बत्ती किसके लिए हैं?
- 'छुक छुक छक छक' से क्या तात्पर्य है?
  - छुक छुक छक छक की आवाज़ किसकी होती है?
  - यहाँ रेलगाड़ी का संबंध हम किससे जोड़ सकते हैं?
- 'धीरे-धीरे टूटती रही' –से आपने क्या समझा?
  - किसी का 'टूटना' क्या होता है?
  - माँ का 'टूटना' क्या होगा?
  - माँ के टूटने का उसकी मानसिक स्थिति से क्या कोई संबंध है?
- 'बुढ़ा रही है माँ' –का आशय क्या है?
  - किसी का बुढ़ापा कैसे प्रकट होता है?
- 'एक दिन हमारे कंधों में आ गई' –का आशय क्या है?
  - 'कंधों में आना' का मतलब क्या होगा?
- 'वृषभ कंधों में माँ का भारी होना' - से आपने क्या समझा?
  - किनके कंधों को 'वृषभ कंधा' कहा गया है?
  - 'कंधा' और 'भार' का क्या कोई संबंध है?
  - 'भारी होना' का क्या मतलब है?

संक्षिप्तीकरण करें :

माँ भाइयों के बीच पुल बनी थी। पुल दो किनारों को आपस में जोड़ता है। माँ परिवार के हर सदस्य को आपस में जोड़नेवाली कड़ी रही। इस माँ रूपी पुल से बच्चों की ज़िंदगी रूपी रेल गाड़ी बेरोकटोक चलती रही। पिता के चल बसने के बाद भी भाइयों के बीच माँ पुल बनी रही। माँ धीरे-धीरे टूटने लगी। यानी मानसिक रूप से वह धीरे-धीरे कमज़ोर होती गई। उसके शरीर पर बुढ़ापे का असर दिखने लगा। वह शारीरिक रूप से भी कमज़ोर होने लगी थी।

एक ही बात को माँ बार-बार कहने लगी। बच्चे इस आदत को उनके बढ़ते हुए बुढापे की निशानी मानकर जीने लगे। उसकी आवाज़ कमज़ोर होती रही। वह धीरे-धीरे दुर्बल होती रही।

बच्चों के प्रति प्यार और दुलार से रहनेवाली माँ एक दिन बच्चों के आश्रय में आ गईं। धीरे-धीरे बच्चों के सशक्त कंधों में माँ बोझ बन गईं।

अनुबद्‌धकार्य :

कविता के पढ़ित छंदों (stanza) का आशय लिखें।

गतिविधि-2

- अनुबद्‌धकार्य की जाँच करें।

संबंध कथन

- ‘पुल बनी थी माँ’ कविता की माँ बेटों के लिए ‘पुल’ थी। अब वे क्या बन गई हैं?
  (पहले माँ बच्चों को जोड़नेवाली कड़ी थी, बुढ़ापे में वह बोझ बन गई।)
- क्या माँ अपनी संतान के लिए कभी भारी होती है? अपनी राय प्रकट करें।

कविता का अंतिम छंद पढ़ने का निर्देश दें।

आशय समझाने के लिए प्रश्न करें :

- 'हम बदलते रहे अपने कंधे' -में 'कंधा बदलना' का मतलब क्या है?
  (उत्तरदायित्व किसी दूसरे के कंधों पर डालना)
- बच्चे माँ की देख-रेख की ज़िम्मेदारी बदलते रहे। कारण क्या होगा?
- 'माँ आखिर माँ ही तो है' –इससे आपने क्या समझा?
  - मातृत्व की सबसे बड़ी खूबियाँ क्या-क्या हैं?
  - क्या माँ बच्चों को कोई कष्ट पहुँचाना चाहेंगी?
  - बच्चों के प्रति माँ का व्यवहार किस प्रकार का होगा?
- 'बार बार हमें कंधे बदलते देख/हमारे कंधों से उतर गई माँ' –का आशय क्या है?
  - 'कंधों से उतरना' से यहाँ किस बात की ओर संकेत है?
  - माँ के 'कंधों से उतरने' का कारण क्या है?
- 'उतर गए हमारे कंधे' का मतलब क्या है?

संक्षिप्तीकरण करें :

जब तक बूढ़ी माँ जीवित रही, बच्चे माँ की देखरेख की ज़िम्मेदारी एक दूसरे के कंधों पर डालते रहे। सारी ज़िंदगी बच्चों के लिए जीनेवाली माँ बुढ़ापे में बच्चों के लिए भार बन गई। पर माँ का मातृत्व बच्चों की इस कठिनाई सह नहीं पाया। वह स्वयं उनके कंधों से उतर गई मतलब उसका अंतिम प्रयाण हो गया। माँ के अभाव में बच्चे निराश्रय और दुर्बल हो गए।

अनुबद्धकार्य

बेटों का जीवन बेरोकटोक चलती गाड़ी के समान रहा।	'दौड़ती रहती थी बेधड़क बिना किसी हरी लाल बत्ती के हम लोगों की छुक छुक छक छक'
माँ की देखभाल की जिम्मेदारी बेटों पर आ गई।	'एक दिन हमारे कंधों में आ गई'
बेटे अपने दायित्व बदलते रहे।	'जब तक जीवित रही माँ हम बदलते रहे अपने कंधे'
माँ के चले जाने से बेटे बेसहारे बने।	'माँ के कंधों से उतरते ही उतर गए हमारे कंधे।'

पन्ना दस का 'आशयवाली पंक्तियाँ ढूँढ़ने' का कार्य करने का निर्देश दें।

अगले दिन अनुबद्धकार्य की जाँच करें।

गतिविधि-3

कविता पर टिप्पणी लिखवाने के लिए चर्चा चलाएँ :

- 'पुल बनी थी माँ' कविता के रचयिता के बारे में आप क्या जानते हैं?
- यह कविता कौन-सा विषय हमारे सामने प्रस्तुत करती है?
- आज के ज़माने में यह कविता कहाँ तक प्रासंगिक है?
- इस कविता की भाषापरक विशेषताएँ क्या है?

चर्चा के बाद कविता का परिचय देते हुए टिप्पणी लिखने का निर्देश दें।

वैयक्तिक लेखन का अवसर दें।

दो-तीन छात्रों को प्रस्तुतीकरण का मौका दें।

इन सूचकों को श्यामपट पर लिखें।

- कवि और कविता का परिचय दिया है।
- कविता का आशय लिखा है।
- भाषापरक विशेषताओं का विश्लेषण किया है।
- कविता की प्रासंगिकता पर अपना विचार प्रस्तुत किया है।

ये परखने का निर्देश दें कि ये बातें अपनी-अपनी रचना में हैं या नहीं।

इन्हीं के आधार पर दलों में परिमार्जन कार्य चलाएँ।

आवश्यक है तो टीचर वेर्शन प्रस्तुत करें।

ध्यान दें,

छात्रों की वैयक्तिक उपजों का आकलन लेखन प्रक्रिया के दौरान करें। बेहतर, औसत और मदद की माँग रखनेवाले छात्रों के नाम टीचिंग मानुअल में दर्ज करें। आगे इनके स्तर के अनुकूल गतिविधियों का आयोजन करें।

*लेखन प्रक्रिया के दौरान आवश्यक है तो इस **टिप्पणी** का भी लाभ उठाएँ*

पुल बनी थी माँ : पारिवारिक संबंधों के टूटने की अंतर्व्यथा

कविता 'पुल बनी थी माँ' पुरानी पीढ़ी के उत्तरदायित्वों से विमुख होती जा रही नई पीढ़ी के व्यवहार की विद्रूपता को रेखांकित करती है। कविता में माँ के पुल होने और पुल से बोझिल पत्थर हो कर टूटने-दरकने की अंतर्व्यथा को अभिव्यक्त किया गया है। माँ के लिए बच्चे ही सब कुछ होते हैं। वह उनके लिए अपना जीवन समर्पित कर देती है। पर वही बच्चे उसकी चौथी उम्र पर उसकी कही अनसुनी करने लगते हैं। उसकी आशाओं अपेक्षाओं को पूरी करने से कतरने लगते हैं जिनकी उम्मीदों मांगोंवाली छुक-छुक रेल को परिवार के अन्य सदस्यों तक पहुँचाने और उसे पूरा कराने के लिए कभी वह पुल का काम करती थी। अब वह टूटने लगती है और समर्थ बच्चों के कंधों / वृषभ कंधों / पर जब स्वयं को बोझ महसूसती है। तब वह पूरी तरह से टूट जाती है और अंतिम परिणति होती है 'बदलते कंधों से' उसके उतरने यानी माँ के अंतिम प्रयाण के पश्चात् अगली पीढ़ी 'उतरे हुए कंधों' के साथ पूरी तरह निस्तेज, निर्वीर्य और पौरुषहीन दिखने लगती है।

बुंदेली लोकजीवन में रचे-बसे और प्रयुक्त शब्द, कथन और मुहावरों– वृषभ कंधा, कंधा बदलना, उतर गए कंधे –का प्रयोग कविता के तीर को पैना कर और भी मारक शक्ति प्रदान करता है।

टीवी

(पटकथा)

अधिगम-गतिविधियाँ : 3

अधिगम उपलब्धियाँ :

- पटकथा के मार्मिक प्रसंग के आधार पर डायरी लिखता है।
- कविता का परिचय देते हुए टिप्पणी लिखता है।

आशय / धारणाएँ :

- पटकथा दृश्यांकन की विस्तृत रूपरेखा है।
- बच्चे स्वभाव से जिज्ञासु होते हैं।
- भौगोलिक विशेषताएँ कभी विकास में बाधा बन सकती है।
- परिश्रम से सफलता मिलती है।

मूल्य और मनोभाव :

- कुछ भी करने के पहले बुजुर्गों से सलाह-मशविरा करता है।

सामग्री : आकलन सूचकों का चार्ट।

समय : 4 कालांश।

गतिविधि-1

पन्ना 11 का चित्र दिखाकर आप पूछें,

- यह क्या है?
- क्या आपने यह कभी देखा है?
- इसका इस्तेमाल किस लिए किया जाता है?

छात्र प्रतिक्रिया करें। *(संभावित उत्तर - एन्टीना, सिग्नल के लिए आदि)*

चर्चा चलाएँ और संक्षिप्तीकरण करें।

शुरू-शुरू में टीवी सिग्नल पाने के लिए इस प्रकार के एन्टीना का इस्तेमाल किया करते थे। आजकल डिश-एन्टीना, सेट टॉप बॉक्स आदि के ज़रिए टीवी सिग्नल हमें प्राप्त होता है।

आप कहें,

पन्ना 11 में टीवी नामक पटकथा है। इसे हमें फिल्माना है। इसलिए हर-एक सीन को बारीकी से पढ़ना चाहिए। यह भी देखना चाहिए कि घटनाएँ कहाँ-कहाँ होती हैं? पात्र कौन-कौन हैं? घटना किस समय की है?...

पटकथा के प्रथम चार सीन पढ़ने का निर्देश दें।

आशय समझने के लिए प्रश्न करें–

- कसम खाना से क्या मतलब है?
- गोपू के इलाके में टीवी नहीं आता था। इसके क्या कारण हो सकते हैं?
- टीवी पर सिग्नल कैसे आते हैं?
- गोपू को टीवी का कार्यक्रम जादू सा लगा। क्यों?
- बच्चे कहाँ जाने का निर्णय लेते हैं? क्यों?
- ड्राईवर ने बच्चों से गुस्सा दिखाया। क्यों?

इन प्रश्नों के ज़रिए प्रत्येक सीन का विश्लेषण करवाएँ और पन्ना 17 की तालिका की पूर्ति करने को कहें।

- इस सीन की घटना कब घटती है?
- इस सीन की घटना कहाँ घटित होती है?
- वह घटना क्या है?
- इस सीन में कौन-कौन हैं?
- प्रत्येक पात्र का व्यवहार किस प्रकार है?

(अगले दिन चुनिंदे छात्रों से तालिका का प्रस्तुतीकरण करवाएँ।)

गतिविधि-2

पूछें,

- गोपू, चुन्नी और लल्लू अब कहाँ हैं?

कहें,

आगे हम देखेंगे कि वे मनोहर चाचा के यहाँ पहुँचे हैं या नहीं? पटकथा के बाकी सीन पढ़कर देखें।

आशय समझाने के लिए प्रश्न करें–

- चुन्नी के रुआँसी होने का क्या कारण है?
- मनोहर चाचा का घर पहचानने में गोपू को दिक्कत हुई। क्यों?
- तीनों बच्चों के रोने का क्या कारण है?
- पटकथा का अंत कैसा लगा? क्यों?

इन प्रश्नों के ज़रिए प्रत्येक सीन का विश्लेषण करवाएँ और पन्ना 17 की तालिका की पूर्ति करने को कहें।

- इस सीन की घटना कब घटती है?
- इस सीन की घटना कहाँ घटित होती है?
- वह घटना क्या है?
- इस सीन में कौन-कौन हैं?
- प्रत्येक पात्र का व्यवहार किस प्रकार है?

आप पूछें,

पटकथा कैसे लगा?

छात्र प्रतिक्रिया करें।

गतिविधि-3

आप कहें,

गोपू अपना घर पहुँचा। वह यादों में खो गया। वह अपनी डायरी लेकर लिखने लगा।

गोपू ने डायरी में क्या-क्या लिखा होगा?

आप पूछें,

- गोपू की इच्छा क्या थी?
- क्या उसकी इच्छा सफल हुई?
- अब उसके मन के विचार क्या-क्या होंगे?

उसके विचारों को डायरी का रूप दें।

वैयक्तिक लेखन।

दो-चार की प्रस्तुति।

डायरी की विशेषताओं पर चर्चा करते हुए सूचकों को सूचीबद्ध करें।

संक्षिप्तीकरण करें

- डायरी में तारीख की सूचना होती है।
- डायरी में लिखने वाले का विचार व्यक्त किया जाता है।
- एक आदमी का अनुभव हमेशा एक ही प्रकार का नहीं होता। समय व वातावरण के अनुसार उसका अनुभव भिन्न हो सकता है। इसलिए उसकी डायरी हमेशा एक ही प्रकार की नहीं होगी।
- डायरी में व्यक्त विचारों या घटनाओं का भूत और भविष्य के साथ संबंध हो सकता है।
- हमारे मन में विचारों का कोई क्रम नहीं होता इसलिए ज़रूरी नहीं कि डायरी में विचारों को क्रमबद्ध रुप में प्रस्तुत करें।
- डायरी व्यक्तिगत है इसलिए उसकी रुपरेखा को भी व्यक्तिगत विशेषताएँ होंगी।
- हमारे मन में खुशी, गम, आकांक्षा आदि भावों का संचार होता है। डायरी में उसकी सूचना अवश्य मिलती है।
- डायरी में प्रस्तावना वाक्य, आश्यचर्य बोधक, प्रश्नवाचक, वाक्यांश, अंपूर्ण वाक्य आदि वाक्यों के कई रूपों का प्रयोग किया जाता है।
- डायरी की भाषा आत्मनिष्ठ होती है।

डायरी के आकलन सूचकों का परिचय दें–

- समय / काल की सूचना दी गई है।
- घटना पर अपना विचार प्रस्तुत किया है।
- संवेगात्मक (भावात्मक) प्रस्तुति हुई है।
- आत्मनिष्ठ शैली अपनाई है।
- उचित भाषाई संरचना है (विरामादि चिह्नों का प्रयोग; शब्द, वाक्यांश व वाक्यों का प्रयोग...)

इन्हीं बिंदुओं के आधार पर अपनी-अपनी उपजों की जाँच करने का निर्देश दें। परिमार्जन करके लिखने को कहें।

ध्यान दें,

यहाँ प्रक्रिया के दौरान दलों में छात्रों की भागीदारी का आकलन एवं दलीय उपज का आकलन भी संभव है। आकलन करके टीचिंग मानुअल में दर्ज करें। अगर किसी दल के सारे सदस्य प्रक्रिया में बहुत पिछड़ गए हैं तो दलों का अदल-बदल करें।

अनुबद्ध कार्य दें

कहें,

पटकथा की मूल-कथा पन्ना 24 में है। वह पढ़ें और कहानी की घटनाओं को क्रम से लिखें। पटकथा और कहानी की तुलना करें और दोनों में क्या अंतर है वह भी लिखें।

आपके लिए

फ़िल्म निर्माण सबसे पहले ज़रूरत पड़ती है, एक उचित कहानी की। अगर यह आपके पास है तो समझ लीजिए कि फ़िल्म निर्माण की शुरूआत हो गई। जिस प्रकार एक नाटक के मंचन के पूर्व 'नाटक' मंचन का आधार होता है उसी प्रकार एक फ़िल्म निर्माण की संपूर्ण रूपरेखा 'पटकथा' होती है। पटकथा वह कथा है जो पट, टेलीविज़न, फ़िल्मांकन के लिए लिखी जाती है। यह मूल रूप से भी लिखा जा सकता है और किसी कहानी या उपन्यास के लिए भी तैयार किया जा सकता है। इसमें संवाद और संवादों के बीच होनेवाली घटनओं व दृशेयों का विस्तृत ब्योरा होता है। पटकथा की पूर्णता उसके प्रभावशाली चित्रीकरण में

होती है। अतः यह कहा जा सकता है लघुकथा एवं उपन्यास जैसी प्रकाशित शब्द कलाओं की तरह लिखित नाटक या पटकथा अपने आप में संपूर्ण नहीं होती। इसमें विभिन्न चरणों में सुधार करते रहने की सुविधा बनी रहती है। पटकथा फ़िल्मांकन प्रक्रिया का मात्र एक आरंभ है अंत नहीं।

पटकथा कहानी या अन्य साहित्यिक विधाओं की तरह नहीं है। इसकी संरचना अलग होती है, जिसमें अलग ढंग से कहानी कही जाती है। इसमें विशेष तरह के शब्द और भाषा का प्रयोग होता है। जिस प्रकार कहानियों या उपन्यासों में संवाद लिखा जाता है, पटकथा में उससे भिन्नता रहती है। दृश्य का विवरण अकसर वर्तमान काल में लिखा जाता है। इसमें चाल-चलन एवं दृश्य का विवरण भी अलग ढंग से रहता है।

अधिगम-गतिविधियाँ : 3

पक्षी और दीमक

(कहानी)

अधिगम उपलब्धि

- कहानी पढ़कर चरित्र-चित्रण करता है।
- कहानी को फ़िल्माने के लिए पटकथा तैयार करता है।

आशय/धारण

- विज्ञापन के ज़रिए हमारी संस्कृति के गुणों का ह्रास हो रहा है।
- पटकथा तैयार करने के लिए कहानी के पात्रों की विशेषताएँ समझना है।
- पटकथा दृश्यांकन की विस्तृत रूपरेखा है।

मूल्य और मनोभाव

- किसी भी बात में गुण-दोष का विश्लेषण करने के बाद ही कुछ निर्णय लेता है।

सामग्री :

समय : 7 कालांश

गतिविधि-1

पन्ना 18 का हाईकू एक बार और पढ़ने का निर्देश दें।

मैया की आई
वृद्धाश्रम से चिट्ठी
कैसे हो बेटा

प्रश्न करें,

परिवारों में इस तरह का संकट क्यों?

बच्चों को स्वतंत्र प्रतिक्रिया करने का मौका दें–

- परिवारों में इस प्रकार का संकट क्यों?
    - पुराने ज़माने में हमारे परिवारों की विशेषता क्या थी?
    - आजकल हमारे परिवार किस प्रकार बदल गए हैं?
    - संयुक्त परिवार के अणुपरिवार में बदलने के क्या-क्या कारण हैं?
    - इस प्रकार की सांस्कृतिक बदलाव पर आपका विचार क्या है?

आप बच्चों का ध्यान पन्ना 18 के चित्र की ओर आकर्षित करते हुए पूछें–

- चित्र में आप क्या-क्या देख रहे हैं?
- पक्षी गाड़ीवाले से क्या कह रहा होगा?

बच्चे स्वतंत्र प्रतिक्रिया करें। (इसकी ज़रूरत नहीं कि बच्चों का उत्तर सही हो, यह केवल कहानी वाचन की ओर आकांक्षा जगाने के लिए हैं)

आप कहें,

ठीक है, हम देखेंगे पक्षी और गाड़ीवाला आपस में क्या कह रहे हैं। ज़रा कहानी पढ़कर देखें।

(एक था पक्षी ... हावी हो गया था)

वाचन प्रक्रिया चलाएँ।

वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से प्रस्तुत करवाएँ।

दलों में विचार विनिमय का मौका दें।

आशय समझाने के लिए आप दलों में ये प्रश्न करें–

- पक्षियों की क्या-क्या विशेषताएँ थीं?
- दीमकों की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
- नौजवान पक्षी को कौन-सी बात बड़ी सुविधा लगी?
- 'अपनी चोंच से एक पर को खींचकर तोड़ने में उसे तकलीफ होती है; लेकिन उसे वह बरदाश्त कर लेता है' –पक्षी अपने तकलीफ को बरदाश्त करने का कारण क्या होगा?

(वह नौजवान पक्षी स्वभाव से आलसी है। वह जल्दी ही गाड़ीवाले के प्रलोभन में फँस गया।)

- ‘अब उस पक्षी को गाड़ीवाले से दो दीमकें खरीदने और एक पर देने में बड़ी आसानी मालूम हुई। वह रोज़ तीसरे पहर नीचे उतरता और गाड़ीवाले को एक पंख देकर, दो दीमकें खरीद लेता।’ – यहाँ पक्षी का कौन-सा मनोभाव प्रकट होता है?

(नौजवान पक्षी को अपने भविष्य और अस्तित्व के संबंध में कोई चिंता नहीं है। बगैर मेहनत से, आसानी से मिलनेवाले भोजन से संतुष्ट होने का मनोभाव उसमें है।)

प्रत्येक दल कहानी पर अपने विचार प्रस्तुत करें।

पूरी कक्षा के सामने ये प्रश्न करें और बच्चों को प्रतिक्रिया करने का मौका दें–

- ‘दीमकें हमारा स्वाभाविक आहार नहीं है, और उनके लिए अपने पंख तो हरगिज़ नहीं दिए जा सकते।’ –इस कथन के आधार पर वर्तमान संस्कृति का विश्लेषण करें।
  - हम अकसर क्या खाया करते थे?
  - ये सब हमें कहाँ से मिलते थे?
  - क्या इन सबकी खेती आजकल चल रही है?
  - हमारे खान-पान की संस्कृति में कौन-सा बदलाव आया है?
  - खान-पान की संस्कृति में हुए बदलाव से क्या कोई आपत्ति है?

संक्षिप्तीकरण करें।

वर्तमान दौर में संसार में सब कुछ बदल रहा है। हमारे खान-पान में भी इसका असर पड़ रहा है। पहले हम अपने आस-पास से मिलने वाले साग-सब्जी, फल-मूल, धान, दाल, मछी आदि खाया करते थे। बदलते जीवन परिवेश में खेती करने से हम विमुख हो रहे हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियाँ विज्ञापन के ज़रिए हमारे मन और मस्तिष्क को बदला रही हैं। हम अपने स्वाभाविक भोजन को छोड़कर बनावटी चीज़ों के पीछे भाग रहे हैं। शुरू में वे हमारे लिए रोचक व रसीली लगती हैं। लेकिन अंततः उसका परिणाम बड़ा भयानक बनता है– शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक रूप से हम परास्त होते हैं। यहाँ का नौजवान पक्षी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के चंगुल में फँसनेवाले वर्तमान समाज का प्रतीक है।

अनुबद्ध कार्य दें–

नौजवान पक्षी अपना स्वाभाविक आहार छोड़कर, पंख के बदले दीमकें खरीदकर खाता है। इसपर आपका विचार क्या है? टिप्पणी लिखें।

गतिविधि-2

अनुबद्धकार्य की जाँच करें।

आप पूछें,

- नौजवान पक्षी किस प्रकार अब खाना इकट्ठा करता है?

आप कहें,

ठीक है, कहानी का बाकी अंश पढ़ें। हम देखते हैं आगे क्या हुआ।

वाचन प्रक्रिया चलाएँ। (लेकिन, ऐसा कै दिनों तक ... लकीर बना रहा था)

वैयक्तिक वाचन के बाद दो-तीन छात्रों को आगे की घटनाएँ बताने का मौका दें।

कहानी की गहराई तक ले जाने के लिए दलों में विचार-विनिमय का मौका दें।

आप दलों में ये प्रश्न करें–

- पंखों की संख्या घटती चलने पर नौजवान पक्षी को कौन-सी परेशानियाँ हुईं?
- नौजवान पक्षी अब दीमकें खरीदने को विवश थे। क्यों?
- अब गाड़ीवाला नौजवान पक्षी को बुत्ता देकर जाता है। कारण क्या होगा?
- नौजवान पक्षी गाड़ीवाले को देखकर बड़ा खुश हुआ। कारण क्या होगा?
- नौजवान पक्षी का अंत कैसे हुआ?

दलों की ओर से कहानी की घटनाओं का संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण करवाएँ।

पूरी कक्षा के सामने यह प्रश्न करें–

- पक्षी को 'बेवकूफ़' कहने के संबंध में आपकी राय क्या है?
  - पक्षी के लिए 'पंख' का क्या महत्व है?
  - पंख के नष्ट होने से क्या होता है?
  - किसी प्रलोभन में फँसकर अपना पंख देना क्या समझदारी है?

- तो पक्षी को 'बेवकूफ़' कहना कहाँ तक संगत है?

संक्षिप्तीकरण करें।

अनुबद्धकार्य दें–

पन्ना 21 के नमूने के अनुसार कहानी से प्रसंगों को चुनकर लिखें।

आपके लिए

• अलसतापूर्ण कार्य करना।	• नौजवान पक्षी को लगा– यह बहुत बड़ी सुविधा है कि एक आदमी दीमकों को बौरों में भरकर बेच रहा है।
• तात्कालिक लाभ के लिए अस्तित्व नष्ट करना।	• गाड़ीवाले को एक पंख देकर, दो दीमकें खरीद लेता।
• बड़ों की बातों को बिना सूझ-बूझ के धिक्कारना।	• नौजवान पक्षी ने बड़े ही गर्व से अपना मुँह दूसरी ओर कर लिया।
• प्रलोभन में पूरी तरह फँस जाना।	• अब उसे न तो दूसरे कीड़े अच्छे लगते, न फल, न अनाज के दाने। दीमकों का शौक अब उसपर हावी हो गया था।
• अपनी गलतियों पर सफ़ाई खोजना।	• उसने सोचा कि आसमान में उड़ना ही फिजूल है। वह मूर्खों का काम है।
• खोए हुए अस्तित्व को फिर से पाने की कोशिश करना।	• वह खूब मेहनत से ज़मीन में से दीमकें चुन-चुनकर, खाने के बजाय, उन्हें इकट्ठा करने लगा।
• धोखेबाजी को पहचानकर निराश होना।	• गाड़ीवाला चला गया। पक्षी छटपटाकर रह गया।

गतिविधि-3

अनुबद्धकार्य की जाँच करें।

आप पूछें,

- 'पक्षी और दीमक' कहानी के पात्र कौन-कौन हैं?

बच्चे प्रतिक्रिया करें।

आप कहें,

- अब हम देखेंगे कि ये पात्र किन-किन का प्रतिनिधित्व करते हैं।
  पन्ना 22 की तालिका की पूर्ति करें।

लेखन कार्य चलाएँ–

वैयक्तिक प्रयास के बाद दो-तीन बच्चों से प्रस्तुत करवाएँ।

चर्चा करके परिमार्जन का अवसर दें।

दलों की ओर से तालिका की पूर्ति करके कक्षा में प्रस्तुत करवाएँ।

आपके लिए

गाड़ीवाला	***पक्षी***	***दीमक***	***पंख***	***बिल्ली***
व्यापारी / कोर्परेट	नौजवान	प्रलोभन	अस्तित्व	शोषक

आप पूछें,

- आज के ज़माने में 'पक्षी और दीमक' कहानी का कोई महत्व है?
- महत्व है तो क्यों?

बच्चों को प्रतिक्रिया करने दें।

आप कहें,

तो हम 'पक्षी और दीमक' कहानी की प्रासंगिकता पर टिप्पणी लिखेंगे।

लेखन कार्य चलाएँ–

वैयक्तिक प्रयास के बाद दो-तीन बच्चों से प्रस्तुत करवाएँ।

चर्चा करके परिमार्जन का अवसर दें।

दलों की ओर से प्रस्तुतीकरण करवाएँ।

टीचरवेर्शन प्रस्तुत करें–

पक्षी और दीमक

अस्तित्व छिन जाने की तीखी अभिव्यक्ति

'पक्षी और दीमक' कहानी मुक्तिबोध की है। इसमें एक नौजवान पक्षी अपना पंख देकर दीमक खरीदकर खाने की आदी है। अपने परिवारवालों के उपदेश तक को वह नकारता है। अंत में पंख सब नष्ट होने पर वह विवश होता है। दीमकों को इकटठा करके, उसके बदले व्यापारी से पंख वापस लेने का विफल प्रयास वह करता है। लेकिन वह धोखा खाता है। अंत में वह एक काली बिल्ली की चपेट में आ जाता है। ऊपर से देखने पर यह एक फांटसी-सा लगता है। लेकिन कहानी की गहराई पर जाते वक्त हम समझ सकते हैं कि यह फांटसी नहीं, बल्कि वर्तमान वास्तविकता है।

आजकल कार्परेट हमें लूट रहे हैं। विज्ञापन के ज़रिए हमारे सामने कई प्रलोभन प्रस्तुत करते हैं। हम नौजवान बिना सोचे-समझे उसपर फँस जाते हैं। अंत में हम अपना अस्तित्व खोते हैं। जब हम अपनी गलती समझते हैं, तब तक सब कुछ नष्ट हो जाता है।

शोषण के इस ज़माने में यह कहानी बिलकुल प्रासंगिक है।

टीचर वेर्शन के आधार पर परिमार्जन का अवसर दें।

अनुबद्कार्य दें–

'पक्षी और दीमक' कहानी को हमें फिल्माना है। फिल्माने के लिए पटकथा की ज़रूरत है। पटकथा तैयार करने के लिए मुख्य प्रसंगों को लिखकर लाएँ।

गतिविधि-5

ये वाक्य श्यामपट पर लिखें–

एक था **पक्षी**। **वह** नीले आसमान में खूब ऊँचाई पर उड़ता जा रहा था।

चर्चा चलाएँ–

- इन वाक्यों के रेखांकित शब्दों में क्या संबंध है?
- दूसरे वाक्य का रेखांकित शब्द किसके बदले प्रयुक्त है?

संक्षिप्तीकरण करें–

पहले वाक्य का 'पक्षी' शब्द नाम को सूचित करता है। इसलिए यह 'संज्ञा' है। दूसरे वाक्य का 'वह' पहले वाक्य की 'संज्ञा'– 'पक्षी' के बदले प्रयुक्त है। इसलिए यह 'सर्वनाम' है।

अब यह वाक्य श्यामपट पर लिखें–

बीच-बीच में **गाड़ीवाला** बुत्ता दे जाता। **वह** कहीं नज़र में न आता। पक्षी **उसके** इंतज़ार में घुलता रहता।

चर्चा चलाएँ–

- इन वाक्यों के रेखांकित शब्दों का आपसी संबंध क्या है?
- तीसरे वाक्य के 'उसके' में निहित सर्वनाम कौन-सा है?
- 'उसके' में निहित परसर्ग कौन-सा है?
- तो सर्वनाम और परसर्ग के योग से शब्द-रूप में कोई परिवर्तन आया है?

संक्षिप्तीकरण करें–

मैं, हम, तू, तुम, आप, वह, वे, यह, ये, जो, कौन, कोई, कुछ आदि शब्द हिंदी के सर्वनाम हैं। का, के, की, ने, को, में, पर और से हिंदी के परसर्ग हैं। सर्वनामों के साथ परसर्ग के योग से सर्वनामों का रूपांतर होता है। इनमें 'आप' और 'कुछ' का विकृत रूप (परसर्गयुक्त रूप) भी वही बना रहता है।

अब पन्ना 22 और 23 का व्याकरण कार्य करवाएँ।

गतिविधि-6

आप कहें,

'पक्षी और दीमक' कहानी के मुख्य प्रसंगों को लिखकर लाए होंगे। ज़रा प्रस्तुत करें।

- कुछ छात्रों को प्रस्तुत करने का अवसर दें।
- चर्चा के ज़रिए घटनाओं का क्रम निश्चित करें।
- एक-एक दल को एक-एक प्रसंग दें।
- उसके आधार पर दृश्य लिखवाएँ।
- प्रत्येक दल कक्षा में प्रस्तुत करें।
- आवश्यक चर्चा के ज़रिए एक समग्र पटकथा तैयार करवाएँ।
- विद्यालय में उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल करते हुए कार्टून सिनेमा बनाएँ (कैमरा, टूपी टूडी मैजिक सोफ्टवेयर, कंप्यूटर, लैपटॉप, ऑडियो, चित्र...)
- फिल्म प्रदर्शिनी चलाएँ।

इकाई 2

गुज़रें इतिहास के कुछ पन्नों से...

समय कभी रुकता नहीं है और समय के साथ बदलती रहती है यह दुनिया। इस बदलाव के पीछे कुछ न कुछ विशिष्ट घटनाएँ होती हैं जिन्हें आमतौर पर 'इतिहास' की संज्ञा दे सकते हैं। इसमें जुड़ी हुई हैं - मानव, जीव-जंतु, प्रकृति, व्यक्ति, समाज, देश, काल, वस्तु, स्थान, विद्रोह, समझौता, पीड़ा, प्यार, हमदर्दी जैसे न जाने कितनी ही मूर्त व अमूर्त चीज़ें। अतः दुनिया की हरेक चीज़ का अपना इतिहास होता है। ज़िंदगी को गढ़ने में, सार्थक बनाने में, मूल्यों को अपनाने में इतिहास की सही जानकारी सहायक बनती है। क्योंकि इतिहास के पन्नों में मानव जाति के सभ्य-संस्कार की विकास-यात्रा की अनगिनत परतें विद्यमान हैं -कुछ आपबीती और कुछ सुनी-सुनाई बातें...

प्रस्तुत इकाई कुछ ऐतिहासिक घटनाओं का सच्चा दस्तावेज़ है जो भोगे हुए जीवन का बयान देता है। इसमें गालिब की डायरी 'दस्तंबू' का अंश - 'जिस गली में मैं रहता हूँ' नाम से रखा गया है। स्वयंप्रकाश का लेख 'गाँधीजी गाँधीजी कैसे बने' और मानव जाति के सांस्कृतिक इतिहास का विश्लेषण करने वाली त्रिलोचन की कविता - 'जीने की कला' - भी शामिल है। अतिरिक्त वाचन के लिए 'फूलों का शो' नामक लेख भी रखा गया है।

इकाई रूपरेखा

आशय/धारणा/प्रोक्ति/भाषा तत्व	शिक्षण अधिगम गतिविधि	अधिगम उपलब्धि
कहानी ▪ स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भारतीय जनता को बहुत अधिक यातनाएँ सहनी पड़ी थीं। ▪ भारतीय इतिहास की सही जानकारी देनेवाली डायरी भी होती है। ▪ मुसीबतों के समय पर भी सहजीवियों के प्रति हमदर्दी का भाव दिखाता है।	▪ डायरी का वाचन। ▪ व्यक्ति के चरित्र पर टिप्पणी लेखन। ▪ पाठभाग से संज्ञा शब्दों का चयन।	▪ डायरी पढ़कर किसी घटना पर समाचार तैयार करता है। ▪ डायरी पढ़कर उसमें उल्लिखित व्यक्ति के चरित्र पर टिप्पणी लिखता है। ▪ सार्वनामिक शब्दों का प्रयोग करता है।
लेख ▪ अनेक जीवन-अनुभवों से गुज़रकर ही गांधीजी महान बने हैं। ▪ गांधीजी का जीवन हर पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है और मार्गदर्शक भी।	▪ लेख का वाचन। ▪ भाषण की तैयारी। ▪ भाषण की प्रस्तुति। ▪ वाक्य निर्माण।	▪ लेख पढकर संबंधित विषय पर भाषण प्रस्तुत करता है। ▪ कर्ता-क्रिया-अन्विति समझकर वाक्य लिखता है।
कविता ▪ सार्थक जीवन एक कला है। ▪ मानवीय मूल्यों को बनाए रखना है।	▪ कविता का वाचन। ▪ कविता पर चर्चा। ▪ टिप्पणी लेखन।	▪ कविता का विश्लेषण करता और संवाद में भाग लेता है। ▪ कविता का विश्लेषण करके टिप्पणी लिखता है।

अधिगम-गतिविधियाँ : 1

जिस गली में मैं रहता हूँ...

(डायरी)

अधिगम उपलब्धियाँ :

- डायरी पढ़कर किसी घटना पर समाचार तैयार करता है।
- डायरी पढ़कर उसमें उल्लिखित व्यक्ति के चरित्र पर टिप्पणी लिखता है।
- सार्वनामिक शब्दों का प्रयोग करता है।

आशय/धारणा :

- स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भारतीय जनता को बहुत अधिक यातनाएँ सहनी पड़ी थीं।
- भारतीय इतिहास की सही जानकारी देनेवाली डायरी भी होती है।

मूल्य और मनोभाव :

- भारतीय स्वतंत्रता के महत्व को पहचानकर काम करता है।
- मुसीबतों के समय पर भी सहजीवियों के प्रति हमदर्दी का भाव दिखाता है।

सामग्री : चार्ट, स्वतंत्रता आंदोलन से संबंधित वीडियो, ऑडियो।

समय : 8 कालांश।

गतिविधि-1

श्यामपट पर 1947 लिखें। पूछें–

- भारतीय इतिहास में सन् 1947 की क्या भूमिका है?
  या (भारत की स्वतंत्रता आंदोलन से संबंधित कोई वीडियो, ऑडियो, भाषण प्रस्तुत करें। और प्रश्न करें कि इसका संबंध किससे हैं)

बच्चों की प्रतिक्रिया।
भारत की स्वतंत्रता आंदोलन पर चर्चा करें।
कुछ सालों की सूचि प्रस्तुत करें।

जैसे– 1857, 1919, 1930, 1942 ।

पूछें–

- भारत की स्वतंत्रता आंदोलन पर इन वर्षों की क्या विशेषता है?

बच्चों की प्रतिक्रिया।
सहायता के लिए घटनाओं की सूचि प्रस्तुत करें।

- **नमक सत्याग्रह।**
- **जलियाँवाले बाग हत्याकांड।**
- **भारत छोड़ो आंदोलन।**
- **पहला स्वतंत्रता संग्राम (सिपाही आंदोलन)।**

साल और घटना का सही मिलान करने का निर्देश दें।
श्याम पट पर सुचीबद्ध करें।

(1857 - पहला स्वतंत्रता संग्राम; 1919 - जलियाँवाले बाग हत्याकांड; 1930 - नमक सत्याग्रह; 1942 - भारत छोड़ो आंदोलन)

संक्षिप्तीकरण करें–

भारत की स्वतंत्रता आंदोलन के पीछे बहुत बडा इतिहास है। भारतीय उपमहाद्वीप से अंग्रेज़ी शासन को उखाड़ फेंकना ही इस संग्राम का उद्देश्य रहा है। भारत की स्वतंत्रता के लिए हज़ारों लोगों ने अपने प्राणों का बलिदान किया था। स्वतंत्रता आंदोलन की शुरुआत सन् 1857 में हुए सिपाही आंदोलन से माना जाता है।

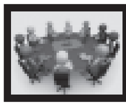

सम्मिलित कार्य

- **स्वतंत्रता आंदोलन की ऐतिहासिक घटनाओं पर विशेषांक तैयार करने का दायित्व बच्चों को दें।**

विशेषांक के लिए पहला लेखन कार्य :

सन् 1857 में हुई पहली जनक्रांति (सिपाही आंदोलन) पर विवरण लिखें। (अगले दिन दो-एक बच्चों का प्रस्तुतीकरण हो और उसपर चर्चा हो। विशेषांक के अनुकूल टिप्पणी पर आवश्यक परिवर्तन लाने का निर्देश दें। छात्र टिप्पणी को अपने पास ही सुरक्षित रखें।)

गतिविधि-2

कहें–

पाठ्यपुस्तक का पन्ना सैंतीस में ग़ालिब और दस्तंबू से संबंधित टिप्पणियाँ पढ़कर देखें।

वाचन को पर्याप्त समय दें।

कहें–

‘दस्तंबू’ का एक अंश ‘जिस गली में मैं रहता हूँ’ नाम से पाठ्यपुस्तक में दिया गया है। अब हम ‘दस्तंबू’ का यह अंश पढ़ेंगे।

पन्ना बत्तीस के ‘जिस गली में मैं रहता हूँ’ पाठ लेने का निर्देश दें।

“अंग्रेज़ों ने दिल्ली में आते ही......... वह पानी ही उस वक्त हमारे लिए सबसे बड़ी दौलत थी।”– भाग का वाचन।

प्रश्न करें–

- लोगों ने क्यों गली का दरवाज़ा बंद करके पत्थर रख दी?
- 'पानी नहीं, मौत पी रहे हो' –ग़ालिब का यह कथन किस हालत की ओर संकेत करता है?
- 'वह पानी ही उस वक्त हमारे लिए सबसे बड़ी दौलत थी' –ऐसा क्यों कहा गया है?

सहायक प्रश्न–

- आपकी राय में सबसे बड़ा दौलत क्या है?
- यहाँ पानी को सबसे बड़ा दौलत क्यों कहा गया है?

बच्चों की प्रतिक्रिया।

विशेषांक के लिए दूसरा संकलनकार्य :

सन् 1857 में हुए पहली जनक्रांति के समान स्वतंत्रता आंदोलन में हुए अन्य प्रमुख घटनाओं पर चर्चा करें, श्यामपट पर सूचीबद्ध करें। उन घटनाओं से संबंधित विवरण, कविता, उक्ति, चित्र आदि का संकलन करने का निर्देश दें। इन्हें बच्चे विशेषांक के अनुकूल बनाएँ और आपने पास सुरक्षित रखें।

गतिविधि-3

संबंध कथन–

ग़ालिब ने अपनी डायरी में लिखा है- 'कविता के कारण उस रोज़ करीब पचास आदमियों की जानें बच गई।' हम देखें, कविता की वह जादू क्या है?

यह अंश पढ़ने का निर्देश दें–

'असली मुसीबत 5 अक्तूबर 1857 को आई... नहीं मालूम, कितने लाख लोग मार डाले गए।'

प्रश्न करें–

- 'इनको इज़्ज़द के साथ घर वापस छोड़ आओ' –ब्राउन के इस निर्णय से उनके चरित्र की कौन सी विशेषता का परिचय मिलता है?
- 'इन दोनों ही जगहों में बेशुमार बेगुनाहों को ठूँस-ठूँसकर भर दिया गया था– इस कदर भर दिया गया कि लगता था, आदमी के भीतर आदमी समाया जा रहा हो' –कैदखानों का कौन-सा हालत इससे स्पष्ट होता है?

अनुबद्ध कार्य–

1.कर्नल ब्राउन कैसे आदमी थे? उनके चरित्र की क्या विशेषता है?– कर्नल ब्राउन के चरित्र पर टिप्पणी लिखें।

2.दिल्ली के कैदखानों की हालत पर विवरण तैयार करें।

(अगले दिन अनुबद्ध कार्य की जाँच करें)

गतिविधि-4

संबंध कथन–

ग़ालिब ने दिल्लीवालों की कौन-कौन सी यातनाओं का जिक्र किया है?

बच्चों की प्रतिक्रिया।

कहें–

हमने देखा, अंग्रेज़ों ने दिल्लीवालों को बहुत सताया था। देखें आगे क्या होता है।

अगला अंश पढ़ने का निर्देश दें–

'दिल्ली में अब कुछ ही लोग बचे होंगे। .... हडसन को हिंदुस्तानियों का खून करने में बड़ा मज़ा आता था।'

पूछें—

- 'दिल्ली में रहना ही उन दिनों मानो अपराध हो गया था।'
  - इसका मतलब क्या है?
  - यहाँ दिल्लीवालों की कौन सी हालत दर्शाता है?
- दिल्ली के बड़े हाकिम हडसन कैसे आदमी थे?

बच्चों की प्रतिक्रिया।

अनुबद्ध कार्य–

कर्नल ब्राउन और बड़े हाकिम हडसन के चरित्रों की तुलना करके लघु लेख तैयार करें।

(अगले दिन अनुबद्ध कार्य की जाँच करें)

गतिविधि-5

श्यमपट पर लिखें / चार्ट पर लिखकर प्रस्तुत करें–

- **निरीह भिश्ती की हत्या : अग्रेज़ों की दहशत ज़ारी**
- **हडसन एक बार फिर बना खूनी**
- **भिश्ती की हत्या : गली में फैला है आतंक**

पूछें–

- ये कुछ शीर्षक हैं। बताएँ, ये किस घटना से संबंधित है?
- कौन-सा शीर्षक आपको अच्छा लगा? क्यों?

बच्चों की प्रतिक्रिया।

चिराग अली की हत्या पर समाचार तैयार करने का निर्देश दें।

(पन्ना छत्तीस का लेखन कार्य)

कहें,

आप एक बार और पन्ना 34 का तीसरा खंड पढ़ें। (मेरी पहचान ... मज़ा आता था)

चर्चा चलाएँ–

- यहाँ किस घटना के बारे में कहा गया है?
- यहाँ कौन मारा जाता है?
- वह क्या किया करता था?
- किसने उसे मारा?
- मारने का कारण क्या था?
- किस प्रकार मारा?

चर्चा के आधार पर समाचार लिखने का निर्देश दें।

वैयक्तिक लेखन के बाद चुनिंदे छात्रों से प्रस्तुतीकरण करवाएँ।

समाचार की विशेषताओं पर चर्चा चलाएँ।

समाचार लेखनः कौन, क्या, कब, कहाँ, क्यों और कैसे?

सुभाष धूलिया

(इग्नो और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मास कम्युनिकेशन में जर्नलिज़्म के प्रोफ़ेसर एवं पत्रकार)

परंपरागत रूप से बताया जाता है कि समाचार उस समय ही पूर्ण कहा जा सकता है जब वह कौन, क्या, कब, कहाँ, क्यों और कैसे सभी प्रश्नों या इनके उत्तर को लेकर लोगों की जिज्ञासा को संतुष्ट करता हो। हिंदी में इन्हें छह 'ककार' के नाम से जाना जाता है। अंग्रेज़ी में इन्हें पांच डब्लयू, हू, वाट, व्हेन, व्हाई, वेह्र और एक एच हाउ कहा जाता है। इन छह सवालों के जवाब में किसी घटना का हर पक्ष सामने आ जाता है। लेकिन समाचार लिखते वक्त इन्हीं प्रश्नों का उत्तर तलाशना और पाठकों तक उसके संपूर्ण अर्थ में पहुँचाना सबसे बड़ी चुनौती का कार्य है। समाचार लिखते वक्त इसमें शामिल किए जाने वाले तमाम तथ्यों और अंतर निहित व्याख्याओं को एक ढाँचे या संरचना में प्रस्तुत करना होता है।

समाचार संरचना

सबसे पहले तो समाचार का 'इंट्रो' होता है। यह असली समाचार है जो चंद शब्दों में पाठकों को बताता है कि क्या घटना घटित हुई है। इसके बाद इंट्रो की व्याख्या करनी होती है। इंट्रो में जिन प्रश्नों का उत्तर अधूरा रह गया है। उनका उत्तर देना होता है। इसलिए समाचार लिखते समय इंट्रो के बाद व्याख्यात्मक जानकारियाँ देने की ज़रूरत होती है। इसके बाद विवरणात्मक या वर्णनात्मक जानकारियाँ दी जानी चाहिए। इसके बाद अनेक ऐसी जानकारियाँ होती हैं जो पाँच डब्ल्यू और एक एच को पूरा करने के लिए आवश्यक होती है जिन्हें समाचार में पहले शामिल नहीं किया जा सका। हर घटना को एक सही परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करने के लिए इसकी पृष्ठभूमि में जाना भी आवश्यक होता है। क्यों और कैसे का उत्तर देने के लिए घटना के पीछे की प्रक्रिया पर भी निगाह डालने की आवश्यकता होती है। एक समाचार की संरचना को मोटे तौर पर इन भागों में बाँट सकते हैं–

- इंट्रो। ▸ व्याख्यात्म जानकारियाँ। ▸ विवरणात्मक जानकारियाँ।
- अतिरिक्त जानकारियाँ। ▸ पृष्ठभूमि।

एक समाचार की संरचना को दूसरे रूप में तीन मुख्य भागों में भी विभाजित कर सकते हैं। पहला तो इंट्रो कि क्या हुआ इसके बाद अन्य प्रश्नों के उत्तर दिए जा सकते हैं जो क्या हुआ को स्पष्ट करते हो। फिर जो कुछ बचा और समाचार को पूरा करने के लिए आवश्यक है उसे आखिरी भाग में शामिल कर सकते हैं।

आमतौर पर समाचार लोग पढ़ते हैं या सुनते-देखते हैं, वे इनका अध्ययन नहीं करते। हाथ में शब्दकोष लेकर समाचार पत्र नहीं पढ़े जाते। इसलिए समाचारों की भाषा बोलचाल की होनी चाहिए। सरल भाषा, छोटे वाक्य और संक्षिप्त पैराग्राफ़।

अपनी प्रस्तुति पेश करें और संशोधन कार्य चलाएँ।

हडसन का शिकार बना अभागा भिश्ती चिराग अली

पुरानी दिल्ली : दिल्ली के बड़े हाकिम हडसन ने चिराग अली नामक भिश्ती को मार डाला। यमुनापार निवासी चिराग अली सड़क सींचने का काम किया करता था। लोगों के अनुसार कल सुबह चिराग अली सड़क सींच रहा था। उस समय हडसन घोड़े पर उधर से निकले। चिराग अली ने हाकिम को सलाम नहीं किया। इससे क्रोधित होकर हडसन ने अपने तलवार से चिराग अली का पेट चीर कर मार डाला। बाद में लाश को दिल्ली दरवाज़े पर टाँग दी गई। चिराग अली की हत्या से पूरे इलाके में अशांति फैली हुई है। एक हफ्ते पहले इन्हीं हडसन ने बादशाह बहादुरशाह ज़फर के दोनों बेटों का भी खून कर उनके सिर दिल्ली दरवाज़े पर लटका दिए थे। लोगों का मानना है कि हडसन हिंदुस्तानियों का खून करने का आदी हो गया है।

सूचकों के आधार पर बच्चों की उपज का आंकलन करें। टीचिंग मानुअल में दर्ज करें।

- घटना के संबंध में स्पष्ट जानकारी मिलती है।
  (कौन, क्या, कब, कहाँ, क्यों और कैसे)
- पत्रकारिता की भाषा-शैली है।
  (प्रत्यक्ष दर्शकों का कहना है...; बताया जाता है कि...; सबूतों के मद्‌देनज़र रखते हुए... आदि)
- शीर्षक समाचार के अनुकूल है।

गतिविधि-6

संबंध कथन–

ग़ालिब ने अपनी डायरी में लोगों की दरियादिली और हमदर्दी का नमूना पेश किया है। जैसे कि ग़ालिब ने स्वयं भूखा रहकर अपने हिस्से की रोटियाँ भूखी मेहरूनिसा के परिवार को पहूँचाया। इसी प्रकार के प्रसंग, पाठ भाग में तलाशें और तालिका की पूर्ति करें।

इसके लिए पन्ना 37 का कार्य करें। चार्ट में तालिका प्रस्तुत करें और निम्नलिखित अंश पढ़कर तालिका की पूर्ति करने का निर्देश दें।

'मेरे पड़ोस में एक गरीब औरत मेहरूनिसा रहती है।..... डरता हूँ कि जब सब कपड़े खा लूँगा, तो नंगा ही भूखा मर जाऊँगा।'

छात्र वैयक्तिक रूप से वाचन करें और तालिका में लिखें।

व्यक्ति	हमदर्दी का मिसाल
ग़ालिब	भूखी मेहरूनिसा के घर रोटियाँ पहुँचाई।
शिवाजी राम	
बालमुकुंद	
हरिगोपाल तुफ्ता	

छात्र अपने विचारों को दलों में प्रस्तुत करें और उसपर चर्चा भी हो।

आप दलों की मदद करें। पूछें—

- मेहरूनिसा की हालत कैसी थी?
- ग़ालिब ने मेहरूनिसा के लिए क्या किया?
- शिवाजी राम ने ग़ालिब को क्या मशविरा दिया था?
- 'मुझे ज़िंदगी बालमुकुंद की मदद से ही वापस मिली।' ग़ालिब ने ऐसा क्यों कहा है?
- तुफ्ता ने ग़ालिब की सहायता कैसे की?

बच्चे तालिका की पूर्ति करें और चुनिंदे दल तालिका पेश करें।

व्यक्ति	हमदर्दी का मिसाल
ग़ालिब	भूखी मेहरूनिसा के घर रोटियाँ पहुँचाई।
शिवाजी राम	भविष्य के प्रति उम्मीद रखने का सलाह देता है।
बालमुकुंद	प्रतिकूल परिस्थिति में भी ग़ालिब की चिकित्सा का प्रबंध किया।
हरिगोपाल तुफ्ता	रुपए एवं गेहूँ भिजवाकर ग़ालिब की मदद की।

चर्चा के ज़रिए पाठ भाग का विश्लेषण करें। पूछें–

- 'मेरी तो भूखा रहने की आदत ही हो गई है।'– ग़ालिब को भूखा रहने की आदत कैसे हुई होगी?
- हीरासिंह, बालमुकुंद, तुफ्ता आदि की व्यवहारों में कौन-सा मूल्य निहित है?
- 'डरता हूँ कि जब सब कपड़े खा लूँगा, तो नंगा ही भूखा मर जाऊँगा।' – यहाँ 'जब सब कपड़े खा लूँगा' क्या मतलब है?

बच्चों की प्रतिक्रिया।

संक्षिप्तीकरण करें–

पहले स्वतंत्रता के सिलसिले में अंग्रेज़ों ने पूरे दिल्ली में कब्जा कर लिया था। अनाज तक नहीं मिलते थे। पूरा इलाका अभावग्रस्त था। ग़ालिब के सारे दोस्त एक-एक कर मार डाले गए। ग़ालिब अपने पास की चीज़ें बेचकर रोटी का इंतज़ाम करते थे। इसीसे 'जब सब कपड़े खा लूँगा' का मतलब है – अपने पास की सभी चीज़ों का खत्म होना।

पाठ का निष्कर्ष...

अनेक लोगों की बलिदानों से ही भारत स्वतंत्र हुआ है। भिश्ती चिराग अली, मेहरूनिसा, हीरासिंह, बालमुकुंद, तुफ्ता जैसे अनेकों के नाम शायद इतिहास के पन्नों पर नहीं होंगे। पर उन जैसे अनेकों-अनेक व्यक्तियों को याद किए बिना भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास पूर्ण नहीं होगा। ग़ालिब ने अपनी ड़ायरी में उन महानुभावों को याद करने की कोशिश की है। इससे उस गदर के समय की भीषणता एवं ज़िंदगी के तीखे अनुभवों का एहसास भी हमें मिलता है।

अनुबद्ध कार्य–

स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिए प्रमुख व्यक्तियों पर चर्चा चलाएँ और उनके नाम श्यामपट पर लिखें। उनसे संबंधित बातों को संकलित करके विशेषांक के लिए आवश्यक सामग्री तैयार करने का निर्देश दें। (ये संकलन कार्य यहाँ संपन्न होता है। विशेषांक का प्रकाशन कार्य अगले पाठ की प्रक्रिया के दौरान किया जाएगा)

गतिविधि-7

यह चार्ट प्रस्तुत करें और वाचन करने को कहें –

- मेरा पड़ोसी हीरासिह एक नौजवान है। हीरासिह मुझे हिम्मत बँधाता है।
- मेरा पड़ोसी हीरासिह एक नौजवान है। वह मुझे हिम्मत बँधाता है।

पूछें–

- दोनों जोड़ों के वाक्यों में क्या कोई अंतर है? तो क्या है?
- यहाँ **'वह'** किसके बदले प्रयुक्त है? और क्यों?
- **'हीरासिंह नाम'** **(संज्ञा)** के बदले **'वह'** का प्रयोग करने से, क्या आशय में कोई बदलाव हुआ है?

बच्चों की प्रतिक्रिया। आप बताएँ–

संज्ञा के बार-बार का प्रयोग कभी-कभी भाषा का सौंदर्य नष्ट करता है।
इसलिए वहाँ संज्ञा के बदले सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करते हैं।

पन्ना सैतीस का कार्य करें–
प्रस्तुत वाक्यों का वाचन करने को कहें

- अपनी-अपनी जान बचाकर वे भाग निकले।
- मेरे जवाब से ब्राउन को खुशी हुई।
- उसके पति की मौत को सात साल हुई।

पूछें–

- इन वाक्यों में प्रयुक्त सर्वनाम शब्द क्या-क्या है? *(वे, मैं, वह)*
- ये सर्वनाम शब्द किन संज्ञाओं के लिए प्रयुक्त हुए हैं? पाठभाग देखकर बताएँ।

चर्चा करें और पन्ना 37 की तालिका की पूर्ति करने का निर्देश दे।

(अगले दिन तालिका की प्रस्तुतीकरण हो)

अधिगम-गतिविधियाँ : 2

गांधीजी गांधीजी कैसे बने

(लेख)

अधिगम उपलब्धियाँ :

- लेख पढकर संबंधित विषय पर भाषण प्रस्तुत करता है।
- कर्ता-क्रिया-अन्विति समझकर वाक्य लिखता है।

आशय/धारणा :

- अनेक जीवन-अनुभवों से गुज़रकर ही गांधीजी महान बने हैं।
- गांधीजी का जीवन हर पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है और मार्गदर्शक भी।
- गांधीजी की ज़िदगी के अनेक पहलुओं को प्रस्तुत करनेवाले लेख हिंदी साहित्य में है।

मूल्य और मनोभाव :

- ज़िंदगी में उच्च विचार और श्रेष्ठ कर्मों को अपनाता है।
- मुसीबतों के समय पर भी सहजीवियों के प्रति हमदर्दी का भाव दिखाता है।

सामग्री : चार्ट। गांधीजी का भाषण (ओडियो/वीडियो)

समय : 10 कालांश।

गतिविधि-1

आप कक्षा में गांधीजी के बारे में आलबर्ट आइस्टीन का यह कथन पेश करें।

> *"आनेवाली पीढ़ी बड़ी कठिनाई से विश्वास करेगी कि इस प्रकार का कोई रक्त-मांसवाला पुरुष इस दुनिया में जीवित रहा था"।*
>
> \- आलबर्ट आइंस्टीन

चर्चा चलाएँ।

- यह किसका कथन है?
- उन्होंने ऐसा क्यों कहा होगा?
- आपके मत में गांधीजी की क्या-क्या विशेषताएँ हैं?
- गांधीजी के जीवन से संबंधित कोई किस्से-कहानी या किसी प्रमुख घटना पेश करने का अवसर छात्रों को दें।

संक्षिप्तीकरण करें-

> *गांधीजी का जीवन बिलकुल सार्थक था और दूसरों के लिए प्रेरणादायक था। वे महान युगपुरुष और युगनेता थे। उन्होंने अपने जीवन के हर पहलू को बहुत ही बारीकी से देखते थे और उससे कुछ न कुछ सीख लेते थे। जैसा कि एक बार उन्हें सत्यहरिश्चंद्र नाटक देखने का अवसर मिला था और उससे प्रेरित होकर पूरा जीवन सत्यनिष्ठा के साथ जीने का फैसला किया था। इसीप्रकार अनेक छोटी-बड़ी घटनाओं से गुज़रकर ही गांधीजी का चरित्र गढ़ा है। उनका जीवन हर पीढ़ी केलिए अनुकरणीय है।*

पन्ना अठतीस और उनचालीस के चित्रों को देखने का निर्देश दें।

आप पूछें

- गांधीजी के इन चित्रों की क्या विशेषता है?
- इनमें से किस चित्र से आप अधिक परिचित है?
- क्या गांधीजी हमेशा ऐसा दिखते थे?

बच्चों की प्रतिक्रिया।

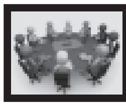

सम्मिलित कार्य

गांधीजी के जीवन की विविध झाँकियों और उससे संबंधित विवरणों की प्रदर्शनी चलाने का निर्णय लें। आगे, प्रक्रिया के दौरान प्रदर्शनी के लिए आवश्यक सामग्री संकलन और प्रदर्शनी का आयोजन हो।

आप कहें–

ज़रा देखें, 'गांधीजी गांधीजी कैसे बने' लेख में उनके संबंध में क्या लिखा है, ।

पन्ना अठतीस का यह अंश पढ़ने को कहें।

(क्या तुम एक ऐसे गांधीजी की कल्पना ... दो विषयों में तो उन्हें ज़ीरो मिला।)

- ♦ वैयक्तिक वाचन।
- ♦ दल में विचारों का आदान प्रदान।
- ♦ शब्दकोश की सहायता से अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ निकालें।

अर्थग्रहण के प्रश्न। जैसे–

- अंग्रेज़ हुकूमत गांधीजी से क्यों डरने लगी?
- गांधीजी पढ़ाई में कैसे थे?

बच्चों को प्रतिक्रिया करने का अवसर दें। विश्लेषण केलिए ये प्रश्न पूछें।

- 'वे धीरे-धीरे गांधीजी बने' - इसका मतलब क्या है?
  - 'धीरे-धीरे' इस विशेष प्रयोग से आप क्या समझते हैं?
  - क्या, किसी व्यक्ति एकाएक महान बन सकता है?

आप संक्षिप्तीकरण करें।

अपने कर्मों से ही एक व्यक्ति महान बनता है। कोई भी एकाएक अपने आप महान नहीं बनते।

अनुबद्ध कार्यः

'गांधीजी का जन्म और बचपन' *से संबंधित चित्र, विवरण और अन्य सामग्रियों का संकलन करें और प्रदर्शनी के लिए सुरक्षित रखें।*

गतिविधि-2

आप कहें–

गांधीजी के अधिकांश चित्रों में वे धोती पहने हुए दिखते हैं। इसके पीछे ज़रूर कुछ कारण होंगे। देखें लेख में इसके संबंध में क्या लिखा है।

पन्ना अठतीस के 'इंग्लैंड पढ़ने गए तो उनके लिए ... हम दोनों के बराबर कपड़े अकेले ही पहन रखे होंगे' तक का वाचन करने का निर्देश दें।

वैयक्तिक वाचन।

दल में विचारों का आदान-प्रदान।

विश्लेषण के लिए आप पूरी कक्षा से पूछें -

- औरत की हालत देखकर गांधीजी ने एक ही धोती पहनने का फैसला कर लिया। ऐसा फैसला लेने का उद्देश्य क्या था?
    - औरत की हालत कैसी थी?
    - औरत को क्यों ऐसा करना पड़ा?
    - औरत की हालत से तत्कालीन भारत का कौन-सा चित्र सामने आता है?

बच्चों की प्रतिक्रिया।

संक्षिप्तीकरण करें।

यह दृश्य तत्कालीन भारत की आर्थिक स्थिति को पहचानने में सहायक बनी। भारत की आम जनता गरीबी एवं अभावों से विवश थी। इसलिए गांधीजी ने ऐसा फैसला किया। यह गांधीजी की ज़िंदगी का एक अहम मोड़ था।

अनुबद्धकार्य

प्रदर्शनी के लिए ***'गांधीजी दक्षिण अफ्रीका में'*** *विषय पर आवश्यक सामग्री इकट्ठा करने का निर्देश दें ।*

गतिविधि-3

आप कहें:

गांधीजी पैंसिल से लिखा करते थे। इसके पीछे एक कहानी है। हम देखेंगे वह घटना क्या है, पन्ना उनचालीस और चालीस का 'गांधीजी लिखते थे एक बढ़िया पैन से' लेकर पाठ का अंत तक पढ़ें।

- वैयक्तिक वाचन।
- दल में विचारों का आदान प्रदान।
- शब्दकोश की सहायता से अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ निकालें।

विश्लेषण के लिए ये प्रश्न पूछें-

- 'पेंसिल पर कागज़ की भोंगली लगाकर धागे से बाँध लेते' -गांधीजी के इस व्यवहार पीछे का उद्‌देश क्या होगा?
- गांधीजी के तीन बंदर हमें क्या संदेश देते हैं?
- अपरिग्रह से क्या तात्पर्य है?

बच्चो को प्रतिक्रिया करने का अवसर दें।

आपके लिए...

'तीन अकलमंदी बंदर (three wise monkeys)' असल में एक मुहावरे का चित्रमय जापानी अभिव्यक्ति है। इसे 'तीन रहस्यवादी बंदर (three mystic apes)' भी कहा जाता है। तीनों बंदर मिलकर इस मुहावरेदार तत्व को मूर्तरूप देता है कि "बुराई मत देखो; बुराई मत सुनो; बुराई मत बोलो।" प्रत्येक बंदर का अपना नाम है– जो आँखें बंद करके बैठा है, 'मिज़ारु', वह बुराई नहीं देखता है; जो कान बंद करके बैठा है, 'किकाज़ारु', वह बुराई नहीं सुनता है और जो मुँह बंद करके बैठा है, 'इवाज़ारु', वह बुराई नहीं कहता है।

संक्षिप्तीकरण करें–

गांधीजी हमारे राष्ट्रपिता हैं। वे सच्चे अर्थ में महात्मा ही है। वे अपनी सोच, वचन और कर्म से महान बने। उनकी जीवनयात्रा प्रेरणादायक है। संदेह नहीं कि पूरे विश्व में अनंत काल तक उनका नाम अमर रहेगा।

अनुबद्ध कार्य–

'गांधीजी के जीवन से संबंधित कुछ प्रेरक घटनाओं' *के विवरणों का संकलन करें और प्रदर्शनी के अनुकूल परिमार्जन करके अपने पास रखें।*

गतिविधि-4

लेखन कार्य –

'मेरा जीवन ही मेरा संदेश है।' -यह गांधीजी का कथन है। पाठभाग के आधार पर इसका विश्लेषण करके भाषण तैयार करें।

गांधीजी से संबंधित कुछ बातों की ओर छात्रों का ध्यान आकर्षत करें। जैसे– गांधीजी कौन हैं?, उनका जन्म कब और कहाँ हुए?, माता-पिता कौन थे?, वे पढ़ाई में कैसे थे? आदि।

चर्चा करें–

- गांधीजी का जीवन कैसा था?
- सादगीपूर्ण जीवन बिताने के लिए प्रेरित घटनाएँ क्या-क्या थीं?
- जीवन में उन्होंने कौन-से सिद्धांत को अपनाया?

चर्चा के द्वारा मुख्य बिंदु तय करें और आप श्यामपट पर सूचीबद्ध करे।

जैसे–

- जीवन परिचय।
- सादगीपूर्ण जीवन।
- सत्य और अहिंसा का सिद्धांत।
- आत्मसंयम की भावना।
- आदर्श व्यक्तित्व।
- ....
- ....

लेखन प्रक्रिया।

वैयक्तिक लेखन का अवसर दें। बच्चों की प्रस्तुति।

आप बच्चों को दलों में विभाजित करें।

इन बातों पर चर्चा करें।

- विषय प्रवेश।
- विषय विस्तार।
- क्रमबद्धता।
- उपसंहार।
- भाषा में भाषण के अनुकूल शैली।

(इन सूचकों के आधार पर वैयक्तिक उपजों का आकलन करें और टीचिंग मानुअल में दर्ज करें।)

ग्रूप में परिमार्जन और प्रस्तुति।

अपनी प्रस्तुति पेश करें। संशोधन कार्य चलाएँ।

गांधीजी ने अपनी आत्मकथा में लिखी है- मेरा जीवन ही मेरा संदेश है। उनके इस कथन का मतलब क्या है?... क्या आप जानते हैं, किसी का जीवन कब संदेश बनता है?...जब अपने आदर्शों और सिद्धांतों को शब्दों से अधिक, अपने कर्मों के द्वारा समाज के सामने व्यक्त करते हैं तब वह प्रेरणादायक और अनुकरणीय बन जाता है। हाँ, गांधीजी ने अपनी ज़िंदगी के ज़रिए यही मिसाल पेश किया है।

दो अक्तूबर अठारह सौ उनचालीस में पोरबंदर में जन्मे मोहनदास पढ़ाई में तो औसत दर्जे का था। पर बचपन से सत्य पर पूरा विश्वास रखता था। इसकी प्रेरणा बनी थी, 'सत्य हरिश्चंद्र नाटक'। नाटक से प्रेरित होकर उसने सत्यनिष्ठा का प्रण लिया और ज़िंदगी भर उसका पालन करते रहे। वे बयान करते हैं कि मेरा धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है, सत्य मेरा ईश्वर है और अहिंसा उसे पाने का साधन।

....

गतिविधि-5

आप यह चार्ट प्रस्तुत करें।

- औरत तालाब में अपनी धोती धो रही थी।
- परीक्षा में गांधीजी चौंतीस बच्चों में से बत्तीसवें स्थान पर रहे।
- ये लोग कविता करते हैं।
- मेरे पड़ोस में एक गरीब औरत मेहरुन्नीसा रहती है।

बच्चों को पढ़ने का अवसर दें। आगे पूछें :

- बच्चो, इन वाक्यों में रेखांकित शब्द कौन-कौन से हैं?
- कार्य को सूचित करने वाले शब्द कौन-कौन हैं?
- इन वाक्यों में कार्य करने वाले कौन-कौन हैं?
- प्रत्येक वाक्य के रेखांकित शब्दों के बीच क्या संबंध है?

कर्ता-क्रिया अन्विति पर चर्चा चलाएँ।

'औरत तालाब में अपनी धोती धो रही थी।' इसमें क्रिया-पूरक '**रही थी**' है। क्या इसका और कोई रूप है? वे कौन-कौन हैं? (चर्चा के दौरान श्यामपट पर सूचीबद्ध करें) जैसे,

- रहा था
- रहे थे
- रही थी
- रही थीं

पूछें,

इन शब्द-रूपों का अर्थ समान है, फिर अलग-अलग शब्द-रूपों का प्रयोग क्यों?

इन वाक्यों के आधार पर चर्चा चलाएँ–

लड़का मैदान में गेंद खेल रहा था।

लड़के मैदान में गेंद खेल रहे थे।

लड़की मैदान में गेंद खेल रही थी।

लड़कियाँ मैदान में गेंद खेल रही थीं।

प्रत्येक वाक्य के रेखांकित शब्दों के बीच के संबंध पर ज़ोर दें।
इसी प्रकार प्रस्तुत अभ्यास के अन्य वाक्यों के क्रिया रूपों का भी विश्लेषण करें।

संक्षिप्तीकरण करें–

वाक्य संरचना में कार्य को सूचित करने वाले शब्द (क्रिया) का रूप कार्य करने वाले (कर्ता) के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार होता है। कर्ता जब परसर्गरहित होता है तभी उसका क्रिया से अनुबंध रहता है, अन्यथा कर्ता-क्रिया संबंध खंडित हो जाता है। क्रिया से कर्ता की कुछ विशेषताओं की (लिंग, वचन, पुरुष) जानकारी मिलती है। क्रिया से ही पता चलता है कि कार्य किस अवस्था (समय) में है।

पन्ना इकतालीस के अभ्यास करने का निर्देश दें।
जैसे–

- धरती पानी के लिए तरस रही है।
- रीता अभी-अभी घर आई है।

- गीता आती है।
- सलमान क्रिकेट खेलता है।
- गौरव पत्र लिखता है।
- सलमान परसों आएगा।
- ....
- ....
- ....

गतिविधि-6

'हिंदी दिवस समारोह' के लिए...

गांधीजी के जीवन की विविध झाँकियों की प्रदर्शनी चलाएँ। इसके लिए स्कूल में आवश्यक तैयारियाँ करें। हरेक छात्र अपनी-अपनी उपज उचित ढंग से (दीवारों पर, मेज़ पर) प्रदर्शित करें। 'जिस गली में मैं रहता हूँ' पाठ के दौरान तैयार किए गए ***स्वतंत्रता आंदोलन विशेषांक*** *का विमोचन भी करें। साथ ही भाषण प्रतियोगिता चलाएँ। इनाम भी दें। इन कार्यक्रमों का दस्तावेज़ तैयार करवाएँ।*

अधिगम-गतिविधियाँ : 3

जीने की कला
(कविता)

अधिगम उपलब्धियाँ :

- कविता का विश्लेषण करता और संवाद में भाग लेता है।
- कविता का विश्लेषण करके टिप्पणी लिखता है।

आशय/धारणा :

- सार्थक जीवन एक कला है।
- आशयों के संप्रेषण तथा रूपायन में संवाद की अहम भूमिका है।

मूल्य और मनोभाव :

- मानवीय मूल्यों को बनाए रखना है।

सामग्री :

समय : 4 कालांश।

गतिविधि-1

इकाई दो के मुख पृष्ठ में दिए गए चित्र और परिभाषा का वाचन।

आप पूछें–

- चित्र में आप क्या-क्या देखते हैं?
- चित्र और नीचे की परिभाषा के बीच क्या कोई संबंध है?

- इतिहास की क्या विशेषता है?

चित्र के आधार पर इतिहास के लिए और एक परिभाषा तैयार करने की कोशिश करें। चर्चा चलाएँ। प्रश्न करें–

- यह चित्र किसकी ओर संकेत करता है?
- समय की क्या विशेषता है?
- इतिहास का समय के साथ क्या संबंध है?
- चित्र में घड़ी की सुइयों की क्या विशेषता है?
- इतिहास और मानव के बीच क्या कोई संबंध है?
- क्या केवल मानव का ही इतिहास है?
- तो, किन-किन का इतिहास होता है?

परिभाषा लिखने का अवसर दें। बच्चों की प्रस्तुति हो। आप भी दो-तीन परिभाषा पेश करें। जैसे–

- बीता हुआ समय इतिहास बनता है।
- इतिहास अतीत का लेखा-जोखा है।
- हर चीज़ का अपना इतिहास होता है।
- इतिहास का भी अपना इतिहास है।

गतिविधि-2

आप पन्ना 43 के दूसरा अभ्यास चार्ट पर प्रस्तुत करें।

संस्कृति ....

इतिहास ....

देश ....

कहें–

__जीने की कला__ कविता में कवि त्रिलोचन ने __संस्कृति, इतिहास और देश__ को पारिभाषित किया है, ज़रा देखें उन्होंने इनके संबंध में क्या कहा है। कविता पढ़ें, परिभाषा को पहचानें, और तालिका में लिखें।

कविता का वाचन।

आशय समझने के लिए कविता पर चर्चा चलाएँ। ऐसे प्रश्नों की मदद लें।

- कवि ने किसे संस्कृति कहा है?
- कवि के अनुसार इतिहास किसे कहते हैं?
- देश के लिए कवि ने कौन सी परिभाषा दी है?

बच्चों की प्रतिक्रिया में चर्चा करें। वैयक्तिक रूप से तालिका की पूर्ति करें।

चुनिंदे बच्चों की प्रस्तुति हो।

दलों में कविता की ज़्यादा विश्लेषण हो और परिभाषा का परिमार्जन करने की कोशिश भी हो।

आप बच्चों को आवश्यक मदद दें। प्रश्नों के ज़रिए चर्चा ज़ारी रखें। जैसे–

- कविता में कवि ने किन-किन बातों की परिभाषा देने का प्रयास किया है?
- आज संस्कृति की परिभाषा किस प्रकार दी जा रही है?
- 'भूख और प्यास आदमी से सब कराती है'– कवि ऐसा क्यों कहते हैं?
- भूख और प्यास मिटाने के लिए आदमी क्या-क्या करते हैं?
- भूख और प्यास की वजह से करने वाली बातों को संस्कृति मानना उचित है या नही? क्यों?
- कविता के अनुसार इतिहास में कौन-कौन से काम आते हैं?
- ये सब कब इतिहास बन जाते हैं?
- 'यह सारे काम तो इतिहास हैं
  मनुष्य के सात द्वीपों और नौ खंडों में'– इससे क्या मतलब है?

(दुनिया के जहाँ भी हो, मनुष्य के काम एक ही होते हैं और वे सब इतिहास बन जाते हैं।)

- ये देश अनेक देशों का गुट बना कर

    अन्य गुटों से अक्सर मार काट करते हैं– यहाँ मनुष्य का कौन सा मनोभाव प्रकट है?

- आदमी को किसकी कला नहीं आती?
- जीने की कला का तात्पर्य क्या है?

    (निस्वार्थ जीवन , परोपकार का भाव, शांतिपूर्वक जीवन आदि)

- जीने की कला आदमी को नहीं आती। क्यों?

दो-चार बच्चों से कवितापाठ कराएँ।

आप भी कविता प्रस्तुत करें।

अनुबद्ध कार्यः

कविता पर टिप्पणी लिखने का निर्देश दें ।

गतिविधि-2

(अनुबद्ध कार्य की जाँच करें)

संबंध कथन–

कवि कहते हैं 'सब कुछ जानते हुए भी आदमी को जीने की कला नहीं आती'। क्या आप इससे सहमत है? क्यों?

चर्चा चलाएँ।

मुख्य बिंदुओं को सूचीबद्ध करें।

इन बिंदुओं के आधार पर 'सब कुछ जानते हुए भी आदमी को जीने की कला नहीं आती' विषय पर आलेख तैयार करने का निर्देश दें।

लेखन प्रक्रिया चलाएँ।

संवाद का आयोजन करें, छात्र आलेख प्रस्तुत करें।

कार्यक्रम का रपट तैयार करने का निर्देश छात्रों को दें।

सूचकों के आधार पर रपट का स्वनिर्धारण भी कराएँ।

- भूमिका
- विषय की समग्रता
- निष्कर्ष
- शीर्षक

छात्रों की प्रस्तुति का आकलन करें और टीचिंग मानुअल में दर्ज करें।

'फूलों का शो' पढ़ने तथा किसी एक त्योहार की ऐतिहासिक या सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर लेख लिखने का निर्देश दें।

पोर्टफ़ॉलियो आकलन के दौरान इस लेख का आकलन करें।

आपके लिए...

जीने की कला : मानव जीवन की परिभाषा

त्रिलोचन का मानना है कि जनता कभी पराजित नहीं होती है और बड़े-बड़े संकटों से जूझते हुए आगे बढ़ती है। इसलिए मानव जीवन और मूल्यों केलिए संघर्ष करनेवालों के प्रति आस्था का स्वर उन्होंने कविताओं में व्यक्त किया है। उनकी कविताओं में जनता की संघर्षशीलता का स्वर बार-बार प्रकट होता है। लेकिन वर्तमान समय तक आते-आते कवि का स्वर बदल जाता है। आज लोगों की स्वार्थ परता को देखकर उन्हें बहुत दर्द होता है। उनके अंतिम काल की रचनाओं में गिनी जेने वाली कविता 'जीने की कला' इसका उदाहरण है।

कवि के मतानुसार भूख और प्यास को शान्त करने केलिए आदमी जो कुछ करता है वह सब अब संस्कृति के अंतर्गत आता है। भूख-प्यास को शान्त करना हालाँकि मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकता है। लेकिन आज भूख और प्यास से विवश मनुष्य द्वारा की जाने वाली सारी करतूतें संस्कृति के अंतर्गत समाविष्ट होती हैं। वर्तमान सांस्कृतिक मूल्यों की च्युति का यह भी कारण होता है।

वैसे ही सात समुद्रों और नौ खण्डों में अर्थात सारी दुनिया में मनुष्य प्रत्यक्षः जो कुछ करता है चाहे वह लिखना, पढना, पहनना, ओढ़ना, एक दूसरे से मिलना, आपस में झगड़ा करना, चित्र बनाना, मूर्ति बनाना, पशु पालना और उनसे काम लेना हो, सब मनुष्य का इतिहास बनता है। आदमी जहाँ रहता है वही देश है। सारी दुनिया अनेक देशों में विभक्त है। आदमी स्वार्थी है, झगडालू है। दुनिया में देशों के अनेक गुट कार्यरत है। इन गुटों का कार्य है अपने स्वार्थ की सिद्धि के लिए आपस में लड़ना। यही दुनिया में अशान्ति का कारण है। मनुष्य को गौर से देखने पर यह निष्कर्ष निकलता है कि आदमी को जीने की कला नहीं आती। उसे अन्य कलाएँ आती हैं, विज्ञान भी आता है।

सृष्टि के सारे जीवों में सब से मेधावी समझे जाने वाले मनुष्य को जीने की कला नहीं आती। शान्तिपूर्वक जीना एक कला है। लेकिन स्वार्थी होने के कारण मनुष्य को शान्तिपूर्वक जीने की कला नहीं आती।

प्रगतिवादी दृष्टि से संस्कृति, इतिहास, देश आदि को पारिभाषित करनेवाले कवि त्रिलोचन आखिर इस निष्कर्ष पर पहुँच जाते हैं कि वर्तमान मनुष्य को सब कुछ आता है, सारी कलाओं और वैज्ञानिक विषयों में वह निपुण है किंतु उसे जीने की कला नहीं आती। मनुष्य को मनुष्य बनकर जीना है तो उसे सर्वाधिक ज़रूरत है– जीने की कला में दक्षता प्राप्त करने की। अर्थात् 'जिओ और जीने दो' का आदर्श मनुष्य कभी भी न भूलें।

प्रगतिवादी विचारधारा के अनुसार भूख और प्यास ही ऐसे तत्व हैं जो मनुष्य से आवश्यक-अनावश्यक सारी बातें कराते हैं। मानव संस्कृति को रूपायित करने की दिशा में भूख और प्यास की अहम देन होती है। मानवा-मानव के बीच के तमाम विद्वेष तथा उससे उद्भूत होनेवाले संघर्षों व संग्रामों के मूल में भूख और प्यास ही काम करती हैं।

मानव जीने की कला में तभी दक्षता प्राप्त करेगा जब दुनिया में भूख और प्यास को मिटाने के श्रम-साध्य कार्य में वह कामयाब होगा।